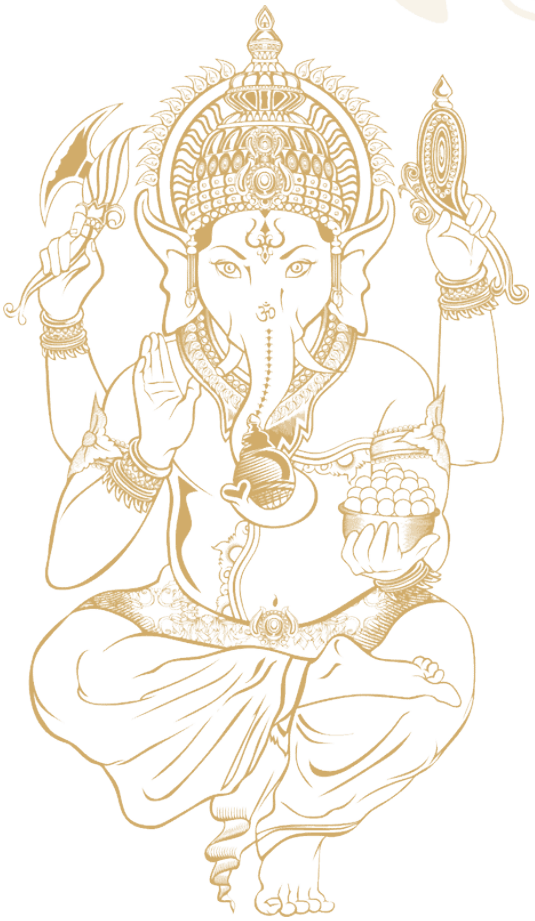

Mr.I

21 Oct 2025

05:56 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120024807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/10/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:56:00 घंटे**
इष्ट	28:45:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:34:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:25 घंटे
साम्पातिक काल	19:35:41 घंटे
सूर्योदय	06:25:54 घंटे
सूर्यास्त	17:45:21 घंटे
दिनमान	11:19:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:08:50 तुला
लग्न के अंश	08:54:37 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	08:54:37	470:47:36	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
सूर्य			तुला	04:08:50	00:59:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	04:09:21	11:57:19	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	25:50:01	00:42:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	26:33:21	01:16:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	00:12:33	00:04:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	15:16:02	01:14:43	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:07:45	00:03:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:35:53	00:06:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:35:53	00:06:12	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:26:07	00:02:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:48:09	00:01:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:09:41	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			धनु	27:55:41	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

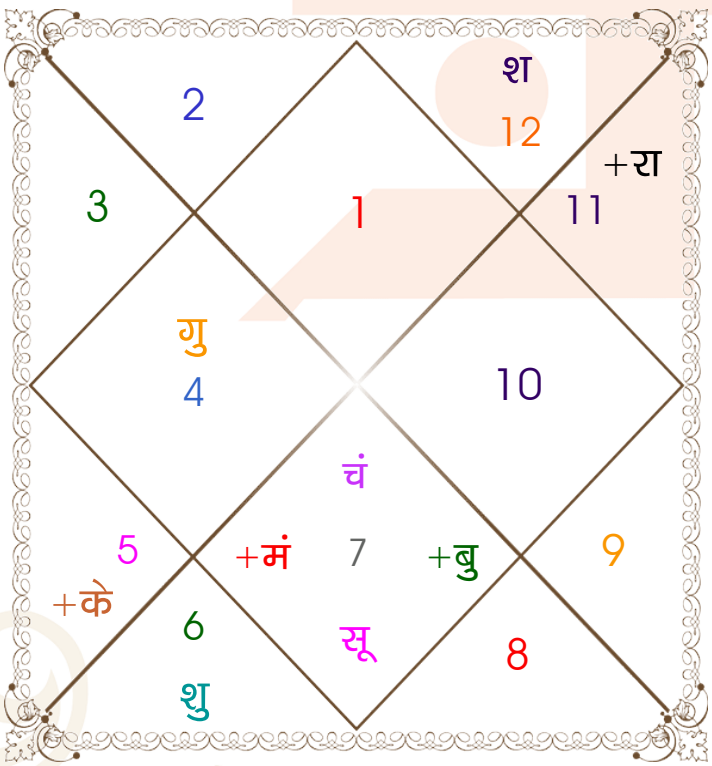

चन्द्र कुंडली

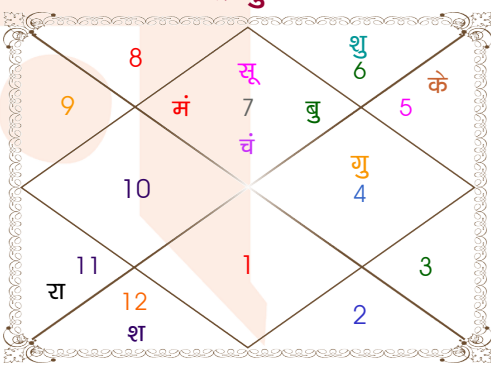

नवमांश कुंडली

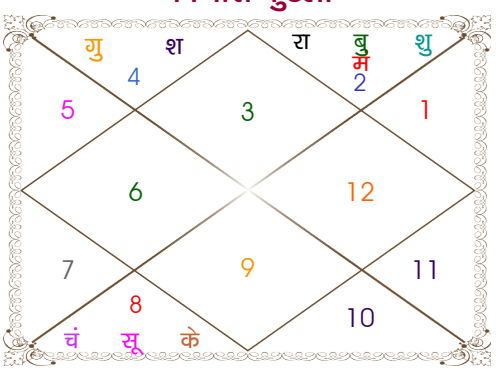

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 3 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/10/2025		15/02/2027		14/02/2045		14/02/2061		15/02/2080	
15/02/2027		14/02/2045		14/02/2061		15/02/2080		14/02/2097	
	00/00/0000	राहु	28/10/2029	गुरु	04/04/2047	शनि	18/02/2064	बुध	14/07/2082
	00/00/0000	गुरु	23/03/2032	शनि	16/10/2049	बुध	28/10/2066	केतु	11/07/2083
	00/00/0000	शनि	27/01/2035	बुध	22/01/2052	केतु	07/12/2067	शुक्र	11/05/2086
	00/00/0000	बुध	16/08/2037	केतु	28/12/2052	शुक्र	06/02/2071	सूर्य	17/03/2087
	00/00/0000	केतु	03/09/2038	शुक्र	29/08/2055	सूर्य	19/01/2072	चंद्र	16/08/2088
	21/10/2025	शुक्र	03/09/2041	सूर्य	16/06/2056	चंद्र	19/08/2073	मंगल	13/08/2089
शुक्र	11/03/2026	सूर्य	29/07/2042	चंद्र	16/10/2057	मंगल	28/09/2074	राहु	01/03/2092
सूर्य	17/07/2026	चंद्र	28/01/2044	मंगल	22/09/2058	राहु	04/08/2077	गुरु	07/06/2094
चंद्र	15/02/2027	मंगल	14/02/2045	राहु	14/02/2061	गुरु	15/02/2080	शनि	14/02/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/02/2097		16/02/2104		16/02/2124		15/02/2130		16/02/2140	
16/02/2104		16/02/2124		15/02/2130		16/02/2140		00/00/0000	
केतु	13/07/2097	शुक्र	17/06/2107	सूर्य	05/06/2124	चंद्र	17/12/2130	मंगल	14/07/2140
शुक्र	12/09/2098	सूर्य	17/06/2108	चंद्र	04/12/2124	मंगल	18/07/2131	राहु	02/08/2141
सूर्य	18/01/2099	चंद्र	15/02/2110	मंगल	11/04/2125	राहु	16/01/2133	गुरु	09/07/2142
चंद्र	19/08/2099	मंगल	18/04/2111	राहु	06/03/2126	गुरु	18/05/2134	शनि	17/08/2143
मंगल	16/01/2100	राहु	17/04/2114	गुरु	23/12/2126	शनि	17/12/2135	बुध	14/08/2144
राहु	03/02/2101	गुरु	16/12/2116	शनि	05/12/2127	बुध	18/05/2137	केतु	10/01/2145
गुरु	10/01/2102	शनि	16/02/2120	बुध	10/10/2128	केतु	17/12/2137	शुक्र	22/10/2145
शनि	19/02/2103	बुध	17/12/2122	केतु	15/02/2129	शुक्र	17/08/2139		00/00/0000
बुध	16/02/2104	केतु	16/02/2124	शुक्र	15/02/2130	सूर्य	16/02/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।